सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

CORONA SE MAT DARONA
WASH YOUR HANDS FREQUENTLY WITH SOAP AND WATER

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 18 NOVEMBER TO 24 NOVEMBER 2020 • VOLUME- 17 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

न्यूज

सूर्य उपासना का पर्व छठ आज से शुरू

लखनऊ, (एजेंसी)। दीपावली के छह दिन बाद सूर्य की उपासना का पर्व छठ बुधवार से शुरू हो रहा है जिसमें डूबते और उगते सूर्य की पूजा की जाती है। पर्व में सूर्य को जल में खड़े होकर अर्घ्य देने वाली महिलाओं और पुरूषों का 36 घंटे का व्रत गुरुवार शाम से शुरू होगा। छठ की शुरूआत तो बुधवार से होगी, लेकिन सूर्य को अर्घ्य 20 नवम्बर की शाम और 21 की सुबह दिया जायेगा । बुधवार को नहाय खाय से शुरू होगा यह पर्व जिसमें लौकी दाल और चावल बनता है । उसके अगले दिन खरना होता है जिसमें खीर और पूरी बनती है। छठ करने वाली महिलायें और पुरुष खरना की खीर खाकर व्रत की शुरुआत करते हैं ।

गो-एयर फ्लाइट की कराची में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रियाद से दिल्ली आ रहे गोएयर विमान को मेडिकल इमरजेंसी के कारण अचानक कराची एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा। अधिकारी के अनुसार एक विमान सवार की तबीयत अचानक से बिगड़ने लगी जिससे विमान का रूट डायवर्ट करना पड़ा। हालांकि, जिस यात्री के लिए इमर्जेंसी लैंडिंग कराई गई थी उन्हें बचाया नहीं जा सका। गो-एयर की फ्लाइट जी8- 6658-ए पर सवार एक यात्री को हवा में कार्डिएक अरेस्ट पड़ गया था जिसके बाद पाकिस्तान की अथॉरिटीज ने मानवीय आधार पर लैंडिंग की इजाजत दी थी।

पशु तस्करी में बीएसएफ कमांडेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सीबीआई ने मंगलवार को मवेशी तस्करी के मामले में बीएसएफ के कमांडेंट सतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को साल्टलेक स्थित सीबीआई कार्यालय में सुबह से कमांडेंट सतीश कुमार से पूछताछ हो रही थी। पूछताछ में कमांडेंट सतीश कुमार के जवाब से असंतुष्ट अफसरों ने सतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। सतीश को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। अदालत में सीबीआई अपनी हिरासत में लेने के लिए अपील करेगी। उसके बाद पूछताछ के बाद सीबीआई मवेशी तस्करी से जुड़े तथ्यों का पता लगाएगी। इससे पूर्व तस्करी का मास्टरमाइंड मो. इनामुल हक को दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

दिल्ली से दो संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की विशेष सेल की टीम ने दो संदिग्ध आतंकवादियो को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। विशेष सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर जाल बिछाकर पुलिस ने दोनों संदिग्ध आतंकवादियों को सोमवार रात करीब 10.15 बजे यहां सराय काले खां स्थित मिलेनियम पार्क के पास से गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान अब्दुल लतीफ मीर (22) और मोहम्मद अशरफ खटाना (20) के रूप में हुई है। दोनों जम्मू कश्मीर के रहने वाले हैं। उनके पास से दो पिस्तौल और दस कारतूस बरामद किए गए हैं।

कर्नाटक में बनेगा वीरशैव-लिंगायत समुदाय निगम

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम बी. एस. येदियुरप्पा ने राज्य में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली वीरशैव-लिंगायत समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए एक निगम के तत्काल गठन का मंगलवार को आदेश दिया। खुद भी इसी समुदाय से आने वाले येदियुरप्पा ने कर्नाटक वीरशैव-लिंगायत विकास निगम (केवीएलडीसी) का तत्काल प्रभाव से गठन करने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व ही डिप्टी सीएम लक्ष्मण सावदी के नेतृत्व में कुछ मंत्रियों और भाजपा विधायकों ने येदियुरप्पा से भेंट कर निगम के गठन का अनुरोध किया था। उन्होंने यह कदम आर्थिक सामाजिक फायदा पहुंचाने के लिए उठाया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के बयान से मची खलबली

कोलकाता, (एजेंसी)। प. बंगाल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में यह आरोप लगा कर नए विवाद को जन्म दे दिया कि टीएमसी के नेताओं ने 'अवैध' संपत्ति अर्जित की है, जिसका पता प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लगाएगा और दोषियों को अपनी बची हुई जिंदगी सलाखों के पीछे गुजारनी होगी। वहीं बंगाल बीजेपी चीफ दिलीप घोष के बयान प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने कहा कि ऐसे बयानों से साबित होता है कि कैसे भाजपा अपने राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करती है।

लव जिहाद के खिलाफ एमपी में भी बनेगा कानून, होगी पांच साल की सजा

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा, सरकार विधानसभा के आगामी सत्र में पेश करेगी विधेयक

भोपाल, (प्रसं)। उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बाद मध्य प्रदेश सरकार भी लव जिहाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सरकार जल्द लव जिहाद के खिलाफ कानूनी व्यवस्था बनाएगी।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने मंगलवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में धर्मांतरण के लिए विवाह पर रोक लगाने वाला मध्यप्रदेश फ्रीडम ऑफ रिलिजन बिल 2020 को विधानसभा के आगामी में पेश करने की तैयारी कर

रही है। इसमें पांच साल के कठोर कारावास का प्रावधान होगा। हम यह भी प्रस्ताव कर रहे हैं कि ऐसे अपराधों को एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां धर्म परिवर्तन, बलपूर्वक, धोखाधड़ी से या किसी को प्रलोभन देकर विवाह होगा वह शादी मान्य नहीं होगी। इस अपराध को करने में मदद करने वालों को भी आरोपी माना जाएगा।

आपको बता दें, इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी लव जिहाद के खिलाफ कानूने लाने की बात कह चुके हैं। वहीं, यूपी की योगी सरकार ने भी लव जिहाद से निपटने के लिए कड़ा कानून बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने लव जिहाद के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि बहनों की इज्जत के साथ खेलने वालों का राम नाम सत्य हो जाएगा।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले में कांग्रेस से मांगा जवाब

वहीं अगस्ता वेस्टलैंड के 3000 करोड़ सौदे के मामले में पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे बकुलनाथ का नाम आने पर डॉ. मिश्रा ने कांग्रेस से जवाब मांगते हुए कहा कि हमेशा से कहता रहा हूं कि कमलनाथ के सीएम रहते वल्लभ भवन दलालों का अड्डा बन गया था। अब इस हाल ही में आई रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हो गई है। दरअसल, अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर डील मामले में मुख्य आरोपी राजीव सक्सेना ने अपने बयान में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे बकुल नाथ और भतीजे रतुल पुरी का नाम लेकर मामले को गरमा दिया है। राजीव सक्सेना ने अहमद पटेल और सलमान खुर्शीद का नाम भी लिया है। इसके साथ ही मंत्री मिश्रा कहा कि राहुल गांधी हारने का सिल्वर जुबली पूरा कर चुके हैं, अब पूरी कांग्रेस के अंदर यह मान्यता हो गई है कि गांधी परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है।

ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन

आतंक के मददगार देशों को दोषी ठहराया जाए

पीएम ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। पीएम ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार की पुरजोर मांग दोहराई। इसके अलावा उन्होंने आतंकवाद का

समर्थन करने वाले देशों को दंडित किए जाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जमकर तारीफ की लेकिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का उन्होंने जिक्र तक नहीं किया। पीएम के भाषण के दौरान जिनपिंग कैमरे के बजाय ज्यादातर वक्त अपने बायें तरफ देखते रहे।

यूएन शांति अभियान में भारत ने खोए सबसे ज्यादा वीर सैनिक

संयुक्त राष्ट्र की इस वर्ष 75वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यूएन के मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अडिग है। उन्होंने कहा, इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की भी 75वीं वर्षगांठ है। यूएन के एक संस्थापक सदस्य के रूप में भारत मल्टिलेटरलिजम का समर्थक रहता है। भारतीय संस्कृति में भी पूरे विश्व को एक परिवार की तरह माना गया है। इसलिए हमारे लिए यूएन जैसी संस्था का समर्थन स्वाभाविक था। यूएन के मूल्यों के प्रति हमारा कमिटमेंट अडिग रहा है। यूएन शांति अभियान में सबसे अधिक वीर सैनिक भारत ने ही खोए हैं।

75 वर्ष पुराने विश्व की मानसिकता में यूएन, सुधार जरूरी

संयुक्त राष्ट्र खासकर यूएनएससी में मौजूदा समय के हिसाब से बदलाव का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज मल्टिलेटरल सिस्टम एक संकट के दौर से गुजर रहा है। ग्लोबल गवर्नेंस के संस्थानों की क्रेडिबिलिटी और इफेक्टिवनेस दोनों पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि इनमें समय के साथ उचित बदलाव नहीं आया है। ये अभी भी 75 साल पुराने के विश्व की मानसिकता और वास्तविकता पर आधारित हैं। भारत का मानना है कि यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में रिफॉर्म्स बहुत ही अनिवार्य है। इस विषय पर हमें अपने ब्रिक्स पार्टनर्स के समर्थन की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के अलावा दूसरे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भी सुधार की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यूएन के अतिरिकत कई अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन भी वर्तमान वास्तविकताओं के हिसाब से काम नहीं कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ, आईएमएफ, डब्ल्यूएचओ जैसे संस्थानों में भी सुधार होना चाहिए।

पूरी दुनिया की मदद कर सकता है आत्मनिर्भर भारत

भारत अभियान की बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत अपने देश में एक व्यापक सुधार प्रक्रिया शुरू की है। हमारा यह अभियान इस विश्वास पर आधारित है कि भारत वैश्विक वैल्यू चेन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान इस भरोसे पर आधारित है कि कोविड-19 के बाद स्वयं पर निर्भर हो चुका भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम भूमिका निभा सकता है और अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। भारत की क्षमताओं को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका उदाहरण पूरी दुनिया ने कोविड-19 के दौरान देखा था, जब भारतीय फार्मा उद्योग की क्षमताओं के कारण ही 150 से अधिक देशों तक हम आवश्यक दवाइयां पहुंचा पाए थे। हमारी वैक्सीन उत्पादन और डिलिवरी क्षमता भी ऐसे ही मानवता के काम आएगी।

कोरोना वैक्सीन पर दुनिया को फिर दिया भरोसा

पीएम मोदी ने एक बार फिर दुनिया को भरोसा दिया कि भारत की वैक्सीन उत्पादन और डिलिवरी क्षमता पूरे विश्व में मानवता के हित में काम आएगी। उन्होंने कहा कि भारत में हमने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत एक व्यापक रिफॉर्म प्रोसेस शुरू किया है। कोविड के दौरान भारतीय फार्मा उद्योग की क्षमताओं के कारण हम 50 से ज्यादा देशों को दवाएं भेज पाए। हमारी वैक्सीन उत्पादन और डिलिवरी क्षमता भी मानवता के हित में काम आएगी। अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान भारत डिजिटल हेल्थ और ट्रेडिशनल मेडिसिन में सहयोग बढ़ाने पर काम करेगा। इस मुश्किल दौर में भी रूसी अध्यक्षता में लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए कई अहम पहल किए गए जैसे युवा वैज्ञानिकों, राजनयिकों की बैठकें, ब्रिक्स फिल्म फेस्टिवल। इसके लिए राष्ट्रपति पुतिन को बधाई।

सागर के राहतगढ़ वाटरफाल पर पिकनिक के दौरान हादसा

एक ही परिवार के पांच लोगों की डूबने से मौत

सागर (आरएनएन)। शहर से 40 किलोमीटर दूर राहतगढ़ में बने वाटरफाल पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां पिकनिक मनाने पहुंचे एक ही परिवार के छह लोग वाटरफाल में नहाते वक्त पानी में डूब गए। जिनमें से पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि एक बच्ची को बचा लिया गया है।

शहर का ही था परिवार: शहर के इतवारी टोरी पर रहने वाले नासिर खान (38) अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाने राहतगढ़ के वाटरफाल गए थे। नाजिर और उनके बच्चे पानी में नहा रहे थे। लेकिन इस दौरान वे सभी गहराई में जाने की वजह से पानी में डूब गए। घटना में सिलवानी निवासी नासिर, नसीम, भांजी हिना, रुबी और राज खान की पानी में डूबने से मौत हो गइ। जबकि नाजिर की बच्ची नाजिया को लोगों ने पानी से बाहर निकाल लिया। फिलहाल उसका का इलाज जारी है।

मातम में बदली खुशियां: नाजिर अपने परिवार और कुछ रिश्तेदारों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचे थे। लेकिन उन्हें क्या पता था कि चंद मिनटों में ही उनकी खुशियों को किसी की नजर लग जाएगी। नाजिर अपने बच्चों के साथ पानी में नहा रहे थे। लेकिन अचानक से वे गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे। बाहर बैठी नासिर की पत्नी आयशा ने जब अपने बच्चों को अपनी आंखों से सामने डूबने का नाजारा देखा तो वे बेहोश हो गई। आस-पास मौजूद लोगों में भी चीख-पुकार मच गई। लेकिन कोई किसी की मदद नहीं कर सका और चंद मिनटों में पांचों गहरे पानी में डूब गए। हालांकि एक बच्ची नाजिया को एनडीआरएफ की टीम ने बचा लिया। काफी देर बाद जब नाजिर की पत्नी होश में आई तो अपना पूरा परिवार उजड़ने के बाद उनका रो-रो कर बुरा हाल है।

छह लोग एक साथ डूबे: छह लोगों के एक साथ डूबने की खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और डूबने वालों की तलाश शुरु कर दी। फिलहाल तीन लोगों के शवों को बाहर निकाल लिया गया है। जबकि दो लोगों की तलाश अभी भी जारी है। बच्ची को आस-पास मौजूद लोगों ने बचा लिया था

वाटरफाल पर नहीं हैं सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम

राहतगढ़ वाटरफाल वन विभाग की देखरेख में है। जहां पर्यटक भारी संख्या में पहुंचते हैं। पहले भी इस तरह के हादसे हो चुके हैं। इससे पहले एक बार एक परिवार के कुछ लोग भी इसी तरह वाटरफाल के तेज बहाव में वह गए थे। तो स्टंट करने के चक्कर में एक युवक वाटरफाल में बह गया था। लेकिन यहां किसी को रोकने-टोकने के लिए गार्ड तक नहीं रहते। पहले भी यहां इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं। लेकिन प्रशासन इन हादसों से भी सबक नहीं ले रहा। सूचना मिलने के बाद तत्काल ही सागर से एनडीआरएफ की टीम राहतगढ़ भेजी गई। जहां यह हादसा हुआ वहां कई-कई जगह 15-15 फीट तक पानी की गहराई है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने किया शोक व्यक्त

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर जिले के राहतगढ़ वाटरफाल में पिकनिक मनाने गये परिवारों के पाँच सदस्यों की डूबने से मृत्यु होने पर शोक व्यक्त किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान ने सागर जिला प्रशासन को प्रावधान अनुसार राहत सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने डूबने से मृत व्यक्तियों के परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना ईश्वर से की है।

देश में रिकवरी रेट 93 फीसदी से ज्यादा हुआ

बेहतर हो रही है स्थिति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर की ओर से मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। यहां स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव प्रशांत भूषण ने बताया कि भारत में कोरोना की वजह से प्रति 10 लाख की आबादी पर 94 मौतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि कई विकसित देश ऐसे हैं जहां प्रति 10 लाख की आबादी पर 500 से 600 तक मौतें दर्ज की गई हैं। कोरोना से ठीक होने की दर 93 फीसदी से ज्यादा हो गई है।

10 राज्यों में देश के 76.7 फीसदी मामले

मंत्रालय ने बताया कि देश के कुल मामलों का 76.7 फीसदी हिस्सा 10 राज्यों से है। इन राज्यों में महाराष्ट्र,, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। बाकी राज्यों में देश के कुल मामलों का 23.3 फीसदी हिस्सा है। महाराष्ट्र में 18.83 फीसदी, केरल में 15.67, दिल्ली में 8.85, बंगाल में 6.15, कर्नाटक में 5.67, यूपी में 4.99, हरियाणा में 4.27, राजस्थान में 4.12, छत्तीसगढ़ में 4.10 और आंध्र प्रदेश में 3.95 फीसदी मामले हैं।

दिल्ली में मिनी लॉकडाउन की तैयारी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत पड़ने पर बाजारों में लॉकडाउन लगाया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने एक प्रस्ताव एलजी को भेजा है क्योंकि बिना केंद्र की अनुमति के कहीं भी लॉकडाउन नहीं लगाया जा सकता। शादी में शामिल होंगे सिर्फ 50 मेहमान: मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया कि कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते कुछ अहम फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जब दिल्ली में कोरोना की स्थिति में सुधार हुआ था तो दिल्ली सरकार ने केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार शादी समारोह में मेहमानों की संख्या 50 से 200 कर दी थी। उस आदेश को वापस ले लिया गया है और अब शादी में मेहमानों की संख्या वापस से 50 की जा रही है।

10 लाख की आबादी पर संक्रमण के 6430 मामले

राजेश भूषण ने कहा कि देश में प्रति 10 लाख की आबादी पर कोरोना वायरस संक्रमण के 6430 मामले हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सात दिनों में प्रति 10 लाख की आबादी पर देश में 211 नए मामले सामने आए हैं। कई देशों में यह संख्या 2500 से भी ज्यादा है। देश में अभी तक 12 करोड़ 65 लाख कोरोना जांच की जा चुकी हैं।

बिहार में मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा

भाजपा के खाते में 21 तो जेडीयू को मिले 20 विभाग

पटना ■ एजेंसी

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण के बाद मंत्रियों के बीच विभागों का भी बंटवारा कर दिया है। पहली कैबिनेट बैठक के बाद सोमवार को शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को उनके मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने पहले की तरह ही गृह अपने पास रखा है। वहीं, सुशील मोदी के पास पिछली सरकार में जितने भी मंत्रालय थे, उनकी जिम्मेदारी बिहार के नए उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद को सौंप दी गई है।

बीजेपी और जेडीयू के बीच ही विभागों का बंटवारा संपन्न हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन विभाग अपने पास रखा है। बीजेपी के कोटे में आने वाले मंत्रालयों की हात करें तो तारकिशोर

नीतीश कुमार ने अपने पास रखा गृह मंत्रालय

प्रसाद के पास वित्त विभाग, वाणिज्य कर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, सूचना प्रौद्योगिकी, आपदा प्रबंधन के अलावा नगर विकास एवं आवास विभाग हैं। इसके साथ ही रेणु देवा के हिस्से में पंचायती राज, पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा कल्याण के साथ-साथ उद्योग मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है। इसके अलावा बीजेपी के कोटे में ही स्वास्थ्य, कला संस्कृति एवं युवा के साथ-साथ पथ निर्माण विभाग है। जिनकी जिम्मेदारी फिलहाल मंजल पाण्डे के पास है। अमरेंद्र प्रताप सिंह को कृषि, सहकारिता और गन्ना उद्योग की जिम्मेदारी दी गई है। रामप्रीत पासवान को पीएचई मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। वहीं, जिवेश मिश्रा को फिलहाल श्रम संसाधन, पर्यटन के साथ-साथ खान एवं भूतत्व मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। बीजेपी के ही राम सूरत कुमार को राजस्व एवं भूमि सुधार और विधि मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। जेडीयू की बात करें तो पिछली सरकार की तुलना में इस साल कम मंत्रालय आए है। नीतीश कुमार ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी को ग्रामीण कार्य, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास, जल संसाधन और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। वहीं जीतन राम मांझी को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है।

50 बच्चों के साथ किया था यौन शोषण

उत्तर प्रदेश के जेई को सीबीआई ने दबोचा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के एक जूनियर इंजीनियर राम भवन को यौन शोषण मामले में गिरतार किया है। आरोपी 10 साल से मासूम बच्चों को अपना शिकार बना रहा था। वह बच्चों के साथ गंदी हरकतों की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर बेचता था।

इंटरनेट पर बेचता था गंदी तस्वीरें

सीबीआई अफसरों ने बताया कि आरोपी ने चित्रकूट, बांदा और हमीरपुर के करीब 50 बच्चों का यौन शोषण किया, जिनकी उम्र 5-16 वर्ष के बीच थी। आरोपी बांदा से गिरफ्तार किया गया और कोर्ट में पेश किया जाएगा। तलाशी के दौरान सीबीआई को आठ मोबाइल फोन, आठ लाख नकदी, सेक्स टॉय, लैपटॉप और अन्य डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनमें बच्चों के साथ यौन शोषण के वीडियो क्लिप और तस्वीरें हैं। आरोप है कि जूनियर इंजीनियर 10 साल से इस अपराध को अंजाम दे रहा था। वह इंटरनेट पर वीडियो और तस्वीरों को बेचता था और डार्कनेट और क्लाउड सर्वर का इस्तेमाल करते हुए दुनिया के दूसरे पीडोफाइल्स के साथ साझा करता था।

बड़ी ताकत | डीआरडीओ की अहम उपलब्धि पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

क्विक रिएक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल का सफल टेस्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सीमा की सुरक्षा में डटे भारतीय जवानों के पास मौजूद हथियारों की खेप में एक और शस्त्र जुड़ने जा रहा है। भारत ने एक खास मिसाइल का परीक्षण किया, जो कि प्रयोग में पूरी तरह से सफल रही। इसका नाम क्विक रिऐक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल है। इस उपलब्धि पर भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी डीआरडीओ को बधाई दी है। इस मिसाइल ने परीक्षण में अपने निशाने को सफलतापूर्वक भेद लिया। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कहा कि क्विक रिऐक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल के बैक टू बैक दो सफल ट्रायल के लिए डीआरडीओ को शुभकामनाएं। इसका पहला लॉन्च टेस्ट 13 नवंबर को किया गया। इसमें यह साबित हुआ कि मिसाइल निशाने को सफलतापूर्वक भेद सकती है।

डीआरडीओ ने क्विक रिऐक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल पलक झपकते ही हवा में दुश्मन की तमाम मंसूबों के चीथड़े उड़ा सकती है।

...ताकि कोई दुस्साहस न करे चीन

मालाबार युद्धाभ्यास का दूसरा चरण मंगलवार से शुरु हुआ, जो 20 तक अरब सागर में होगा। इसमें दुनिया के सबसे शक्तिशाली एयरक्रॉफ्ट कैरियर हिस्सा लेने जा रहे हैं। इस खबर ने चीन के होश उड़ा दिए हैं। अभियान के केंद्र में अमेरिका व भारत के एयरक्रॉफ्ट कैरियर, यूएस का सबसे घातक एयरक्रॉफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज युद्धाभ्यास में शामिल होगा। इंडियन नेवी का एयरक्रॉफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य भी हिस्सा लेगा। एटमी ईंधन से संचालित यूएसएस निमित्ज के हिस्सा लेने से अभ्यास के प्रभाव काफी बढ़ जाएगा।

दखल

खेती और जल संरक्षण

हमारे यहां पारंपरिक तरीकों में नहरों और नलकूपों से पाइप लाइन बिछा कर खेतों की सिंचाई की जाती है। लेकिन अब तकनीक के वक्त में फव्वारों, ड्रिप और बौछार तकनीकों को अपनाने की जरूरत है। इनसे 30 से 50 फीसद तक पानी की बचत होती है। साइप्रस, इजराइल और जॉर्डन जैसे छोटे देशों ने लगभग समूची खेती के लिए ये प्रणालियां अपना ली हैं। हमें भी इस ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि खेती उन्नत बन सके।

विश्व वन्यजीव कोष ने ऐसे 100 शहरों को चिह्नित किया है, जो राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्पूर्ण हैं। इनमें फिलहाल 35 करोड़ लोग निवास करते हैं, लेकिन 2050 तक इनकी आबादी 51 फीसद तक बढ़ सकती है। भारतीय शहरों में दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई सहित अनेक राज्यों की राजधानियां और औद्योगिक तथा व्यावसायिक इकाइयां इस सूची में शामिल हैं। ये शहर भविष्य में पानी की बड़ी किल्लत का सामना कर सकते हैं। दूसरी तरफ इसका विरोधाभासी पहलू यह है कि इन शहरों को बारिश में बाढ़ जैसे हालात से भी दो-चार होते रहना पड़ेगा। करीब दो दशक से पर्यावरणविद लगातार इशारा कर रहे हैं कि शहरों में भूजल का बेतहाशा दोहन रोकना ही पड़ेगा। साथ ही तालाबों, नदियों, कुओं और बावड़ियों का भी संरक्षण किया जाए। जल संकट के सिलसिले में एक नया तथ्य यह भी सामने आया है कि उन फसलों की पैदावार कम की जाए, जिनके फलने-फूलने में पानी ज्यादा लगता है। यही वे फसलें हैं, जिनका सबसे ज्यादा निर्यात किया जाता है, यानी बड़ी मात्रा में हम परोक्ष रूप से पानी का निर्यात कर रहे हैं।

धरती के तापमान में निरंतर हो रही वृद्धि ने भी जलवायु परिवर्तन में बदलाव लाकर इस संकट को और गंभीर कर दिया है। इससे पानी की खपत बढ़ी है और बाढ़ तथा सूखे जैसी आपदाओं में भी निरंतरता बनी हुई है। खेती और कृषिजन्य औद्योगिक उत्पादों से जुड़ा यह ऐसा मुद्दा है, जिसकी अनदेखी के चलते पानी का बड़ी मात्रा में निर्यात हो रहा है। इस पानी को 'वर्चुअल वाटर' भी कह सकते हैं। दरअसल, भारत से बड़ी मात्रा में चावल, चीनी, वस्त्र, जूते-चप्पल और फल व सब्जियां निर्यात होते हैं। इन्हें तैयार करने में बड़ी मात्रा में पानी खर्च होता है। अब तो जिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हमारे यहां बोतलबंद पानी के संयंत्र लगाए हुए हैं, वे भी इस पानी को बड़ी मात्रा में अरब देशों को निर्यात कर रही हैं। इस तरह से निर्यात किए जा रहे पानी पर कालांतर में लगाम नहीं लगाई गई तो जल संकट और बढ़ेगा। जबकि देश के तीन चौथाई घरेलू रोजगार पानी पर ही निर्भर हैं।

आमतौर पर भुला दिया जाता है कि तेल और लोहे जैसे खनिजों की तुलना में शुद्ध पानी कहीं अधिक मूल्यवान है, क्योंकि पानी पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में सर्वाधिक योगदान करता है। इस दृष्टि से भारत से कृषि और कृषि उत्पादों के जरिए पानी का जो परोक्ष निर्यात हो रहा है, वह हमारे भूतलीय और भूगर्भीय दोनों ही प्रकार के जल भंडारों को दोहन करने का बड़ा कारण बन रहा है। दरअसल, एक टन अनाज उत्पादन में एक हजार टन पानी की जरूरत पड़ती है। चावल, गेहूं, कपास और गन्ने की खेती में सबसे ज्यादा पानी खर्च होता है। इन्हीं का हम सबसे ज्यादा निर्यात करते हैं। सबसे ज्यादा पानी धान पैदा करने में खर्च होता है। पंजाब में एक किलो धान पैदा करने में पांच हजार 389 लीटर पानी लगता है, जबकि इतना ही धान पैदा करने में पश्चिम बंगाल में करीब दो हजार सात सौ तेरह लीटर पानी खर्च होता है।

पानी की इस खपत में इतना बड़ा अंतर इसलिए है, क्योंकि पूर्वी भारत की अपेक्षा उत्तरी भारत में तापमान अधिक रहता है। इस कारण बड़ी मात्रा में पानी का वाष्पीकरण हो जाता है। खेत की मिट्टी और स्थानीय जलवायु भी पानी की कम-ज्यादा खपत से जुड़े अहम पहलू हैं। इसी तरह चीनी के लिए गन्ना उत्पादन में बड़ी मात्रा में पानी लगता है। गेहूं की अच्छी फसल के लिए भी तीन से चार मर्तबा सिंचाई करनी होती है। इतनी तादाद में पानी खर्च होने के बावजूद चावल, गेहूं और गन्ने की बड़ी मात्रा में खेती इसलिए की जाती है, जिससे फसल का निर्यात करके मोटा मुनाफा कमाया जा सके। पंजाब व हरियाणा में चावल, गेहूं और महाराष्ट्र में गन्ने का बड़ी मात्रा में उत्पादन निर्यात के लिहाज से ही किया जाता है। पानी का परोक्ष निर्यात न हो, इसके लिए फसल प्रणाली में व्यापक बदलाव और सिंचाई में आधुनिक पद्धतियों को अपनाने की जरूरत है। ऐसा अनुमान है कि धरती पर 1.4 अरब घन मीटर पानी है। लेकिन इसमें से महज दो फीसद पानी मनुष्य के पीने व सिंचाई के लायक है। इसमें से भी सत्तर फीसद पानी खेती-किसानी में खर्च होता है। इससे जो फसलें व फल-सब्जियां उपजते हैं, उससे निर्यात के जरिए 25 फीसद पानी अंतरराष्ट्रीय बाजार में खपत में चला जाता है।

इस तरह से 1050 अरब वर्ग मीटर पानी का अप्रत्यक्ष कारोबार होता है। एक अनुमान के मुताबिक इस वैश्विक धंधे में लगभग दस हजार करोड़ घन मीटर वार्षिक जल भारत से फसलों के रूप में निर्यात होता है। जल के इस परोक्ष व्यापार में भारत दुनिया में अव्वल है। खाद्य पदार्थों, औद्योगिक उत्पादों और चमड़े के रूप में यह निर्यात सबसे ज्यादा होता है। कई देश पानी के इस परोक्ष निर्यात से बचने के लिए उन कृषि और गैर-कृषि उत्पादों का आयात करने लगे हैं, जिनमें पानी अधिकतम खर्च होता है। उन्नत सिंचाई की तकनीक के लिए दुनिया में पहचान बनाने वाले इजराइल ने संतरे के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि इस फल के जरिए पानी का परोक्ष निर्यात हो रहा था। इटली ने चमड़े के परिशोधन पर पाबंदी लगा दी है। इसके बदले वह जूते-चप्पल बनाने के लिए भारत से बड़ी मात्रा में परिशोधित चमड़ा आयात करता है। इस उपाय से इटली ने दो तरह से देश-हित साधने का काम किए हैं। एक तो चमड़ा परिशोधन में खर्च होने वाला पानी बचा लिया, दूसरे जल स्रोत प्रदूषित होने से बचा लिए।

फसल प्रणाली में बदलाव की दृष्टि से पंजाब देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां नीतिगत बदलाव शुरू हुए हैं। वहां धान का रकबा घटाया जा रहा है। राज्य सरकार ने करीब बारह लाख हेक्टेयर भूमि में धान की बजाय मोटे अनाज और दालें बोने के लिए साढ़े सात हजार करोड़ रुपए की योजना शुरू की है। सरकार ने धान की खेती वर्षा पूर्व करने पर भी पाबंदी लगा दी है। इससे राज्य को एक साथ दो फायदे होंगे। एक तो भूजल का दोहन घटेगा, और दूसरा यह कि मई में धान की रोपाई पर रोक से बिजली की बचत होगी। फिलहाल पंजाब में 28 लाख हेक्टेयर भूमि में धान की खेती होती है, इसे अगले पांच साल में सोलह लाख हेक्टेयर तक समेटने का लक्ष्य है। बाकी बची बारह लाख हेक्टेयर भूमि में दालें, तिलहन, मक्का, ज्वार और अन्य शुष्क फसलें पैदा की जाने की क्रमशः शुरुआत हो रही है। साफ है पंजाब में चावल का उत्पादन घटेगा तो निर्यात भी घटेगा और निर्यात घटेगा तो परोक्ष पानी के निर्यात पर भी लगाम लगेगी।

हमारे यहां पारंपरिक तरीकों में नहरों और नलकूपों से पाइप लाइन बिछा कर खेतों की सिंचाई की जाती है। लेकिन अब तकनीक के वक्त में फव्वारों, ड्रिप और बौछार तकनीकों को अपनाने की जरूरत है। इनसे 30 से 50 फीसद तक पानी की बचत होती है। साइप्रस, इजराइल और जॉर्डन जैसे छोटे देशों ने लगभग समूची खेती के लिए ये प्रणालियां अपना ली हैं। भारत में भी इन पद्धतियों से खेती करने की शुरुआत तो हो गई है। लेकिन अभी महज तीन फीसद सिंचाई हो पा रही है। अगर इनका विस्तार एक करोड़ हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में हो जाए तो भारत बड़ी मात्रा में सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाले जल की बचत कर सकता है।

विचार

अब लापरवाही का संक्रमण

जब लॉकडाउन हटाया गया तो लोगों से अपील की गई कि उचित दूरी बनाए रखें, हाथ धोते रहें और मुंह ढंका रखें। जब तक टीका नहीं आ जाता, तब तक किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। मगर इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिसका खामियाजा दिल्ली भुगत रही है।

पूरे देश में कोरोना का संक्रमण भले ही काबू में हो और मरीजों की संख्या में कमी आ रही हो, मगर राजधानी दिल्ली खतरे के संकेत दे रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत पड़ने पर बाजारों में लॉकडाउन लगाया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने एक प्रस्ताव एलजी को भेजा है क्योंकि बिना केंद्र की अनुमति के कहीं भी लॉकडाउन नहीं लगाया जा सकता। पिछले दिनों जब दिल्ली में कोरोना की स्थिति में सुधार हुआ था तो दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार शादी समारोह में मेहमानों की संख्या 50 से 200 कर दी थी। उस आदेश को वापस ले लिया गया है और अब शादी में मेहमानों की संख्या वापस से 50 की जा रही है। इसका प्रस्ताव भी एलजी को भेजा गया है। दिल्ली की यह हालत हमारी लापरवाही की देन है। कोरोना के प्रति बेफिक्री ने पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी ही स्थिति है। लोग न मास्क लगा रहे हैं और न ही दूरी बना रहे हैं। लिहाजा, संक्रमण कब पलटी मार दे, कहा नहीं जा सकता।

दिल्ली में संक्रमण के बढ़ते आंकड़ों ने स्वाभाविक ही भय और चिंता बढ़ा दी है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे तभी घरों से बाहर निकलें, जब बहुत जरूरी हो। घरों के खिड़की, दरवाजे बंद रखें। यह एक प्रकार से अघोषित लॉकडाउन जैसी ही अपील है। दिल्ली में संक्रमण के तेजी से बढ़ने की कुछ वजहें साफ हैं। एक तो यह कि कारोबारी गतिविधियां खुलने से बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ बढ़ने लगी है। जो प्रवासी मजदूर अपने गांव-घर चले गए थे, वे भी कारखाने खुलने से वापस लौटने लगे हैं। लॉकडाउन खुलने के शुरुआती दिनों में तो बाहर से आने वालों की जांच की जाती रही, ताकि उनकी वजह से दिल्ली में संक्रमण दोबारा न फैलने पाए। मगर फिर शिथिलता बरती जाने लगी। फिर सर्दी शुरू होने के साथ मौसम में नमी लौटी और वायुमंडल पृथ्वी की सतह के करीब सघन होने लगा, तभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाई जाने लगी, जिससे हवा में प्रदूषण बढ़ गया।

मगर इसकी बड़ी वजह लापरवाही भी रही। जब चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन हटाया गया तो बार-बार अपील की गई कि उचित दूरी बनाए रखें, हाथ धोते रहें, मुंह ढंका रखें। जब तक इसका टीका नहीं आ जाता, तब तक लापरवाही न बरतें। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार लोगों से सावधानी बरतने की अपील की। मगर हकीकत यह है कि लोगों ने लॉकडाउन खुलने का मतलब यह मान लिया कि कोरोना का खतरा टल गया है। जगह-जगह भीड़भाड़ लगाना शुरू कर दिया, बिना मुंह ढंके घूमने-फिरने लगे। लापरवाही के चलते अभी दिल्ली का हाल बिगड़ा है। अगर लोग नहीं माने तो यही स्थिति दूसरे राज्यों में भी हो सकती है। फिर पूरे देश में लॉकडाउन के अलावा कोई चारा नहीं रह जाएगा।

ब्लैक होल के अद्भुत तथ्य

किसी भी परिवर्तनकारी खोज के पीछे अनुसंधानों का एक लंबा इतिहास होता है। न्यूटन ने कहा भी है, 'चूंकि मैं महाकाय कंधों पर खड़ा था, इसलिए औरों से दूर तक देख सका।' हर वैज्ञानिक किसी न किसी के कंधे पर खड़ा होता है। इसका ताजा उदाहरण हैं ब्रिटिश भौतिकविद रॉजर पेनरोज, जिन्हें इस साल का नोबेल पुरस्कार इस खोज के लिए मिला है कि आइंस्टीन के गुरुत्वाकर्षण के नियम-जनरल रिलेटिविटी के अनुसार ब्लैक होल का बनना अटल और वांछित है। इस नियम की अनूठी और अद्भुत बात यह है कि गुरुत्व बल अंतरिक्ष-समय की वक्रता में प्रकट होता है। इस खोज की पृष्ठभूमि में भारतीय वैज्ञानिक शामिल थे। ब्लैक होल से भारत का रिश्ता काफी पुराना है। नवाब सिराजुद्दौला ने 1756 में 146 ब्रिटिश सैनिकों को बहुत संकरी अंधेरी कोठरी में बंद कर दिया था। उनमें से सुबह तक 42 लोग जिंदा बच पाए थे।

इस भयंकर घटना को इतिहास में कोलकाता 'ब्लैक होल' नाम दिया गया। दरअसल, ब्लैक होल की धारणा से बहुत छोटे आकार में प्रचंड द्रव्य का समाना और असीम घनत्व का सीधा नाता है। अजीब बात यह है कि विज्ञान में भी इसी तरह की संभावना की अटकल लगाई गई। ब्रिटिश पादरी वैज्ञानिक जॉन मिशेल ने 1784 और उसके दो साल बाद फ्रेंच गणितज्ञ पियारा साइमन लाप्लास ने ऐसी कल्पना की। अगर किसी वस्तु का द्रव्यमान इतना अधिक हो कि उसके गुरुत्वाकर्षण से प्रकाश भी बाहर न निकल सके, तो ऐसी वस्तु काली होगी। यह ब्लैक होल की सबसे पहली संकल्पना थी। आधुनिक कहानी शुरू होती है वर्ष 1930 में, जब चंद्रशेखर सुब्रमण्यम मद्रास से बीएससी करके उच्च शिक्षा के लिए कैंब्रिज जहाज से ब्रिटेन जा रहे थे। उन्होंने आइंस्टीन की रिलेटिविटी और क्वांटम मैकेनिक्स का उपयोग करके कुछ गणितीय समीकरण हल किए। तब तक ऐसी समझ थी कि प्रचंड संहति का महाकाय तारा आणविक इंधन खत्म होने पर सिकुड़ कर सफेद बौना बन जाएगा।

यही उसका आखिरी पड़ाव होगा। उसकी स्थिर स्थिति का कारण इलेक्ट्रॉन दबाव है, जो गुरुत्वाकर्षण को रोकता है। 1932 में चंद्रशेखर ने सिद्ध किया कि अगर तारे का संहति द्रव्यमान 1.4 सूर्य की संहति से अधिक हो, तो इलेक्ट्रॉन दबाव गुरुत्वाकर्षण के बल को रोक नहीं पाएगा। यह खोज 'चंद्रशेखर संहति सीमा' के नाम से जानी जाती है। इससे अधिक संहति होने पर तारे के अंदर का द्रव्य लगभग न्यूट्रॉन में परिवर्तित हो जाता है और न्यूट्रॉन तारा बन जाता है। उसकी सघनता अपरिमित होती है, उसका चम्मच भर संपूर्ण मानवजाति के वजन के बराबर होगा। आधे शतक बाद 1983 में उसी खोज के लिए चंद्रशेखर को नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया। न्यूट्रॉन भी गुरुत्वाकर्षण को रोकने के लिए इलेक्ट्रॉन की भांति ही दबाव पैदा करता है। अगर संहति सूर्य से तीन गुना अधिक हो तो न्यूट्रॉन दबाव भी नहीं टिक पाएगा और तारा अपने ही गुरुत्वाकर्षण से निरंतर धंसता जाएगा। तब शून्य आकार और अनंत सीमित घनता की स्थिति होगी, जो गुरुत्व नियम की सीमा इंगित करती है- अनसुलझी पहेली-सिंगुलरिटी विकृति है।

जहां से प्रकाश न निकल सके, वहां से कोई संदेश भी नहीं आ सकता है। ब्लैक होल के अंदर क्या होता है, इसका पता हमें सिद्धांततः नहीं लग सकता। घटना-क्षितिज पैदा हो जाता है। इसीलिए यह अद्भुत और अजीबोगरीब चीज है। अगर रायचौधुरी को प्रगत गणित का साथ मिला होता तो संभव है, वे पेनरोज-हाकिंग के प्रमेय और शायद ब्लैक होल खोज पाते!

1938 में कलकत्ता के बिश्वेश्वर दत्त ने सर्वप्रथम आइंस्टीन के नियम के अनुसार सिद्ध किया कि दबाव रहित धूल कणों का समूह अपने गुरुत्वाकर्षण पतन से संकुचित होता जाएगा और आखिर में शून्य आकारमान-अनंत घनता-की स्थिति बन जाएगी। यह स्थिति सिंगुलरिटी विकृति- है, जहां अंतरिक्ष समय की वक्रता भी अपरिमित अनंत हो जाती है। अमेरिका के परमाणु बम के जनक रॉबर्ट ओपेनहाइमर और डेविड श्नाइडर ने दत्त से एक साल बाद वही निष्कर्ष निकाला और यह ओपेनहाइमर-श्नाइडर पतन के नाम से जाना जाता है। गुरुत्वाकर्षण पतन के शोध के तुरंत बाद दुर्भग्य से दत्त गुजर गए। उस वक्त दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भारत से कोई खबर आसानी से बाहर नहीं पहुंच पाती थी। इसलिए दत्त के शोध के बारे में लोगों को जानकारी नहीं मिल पाई। मगर 1999 में जब जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेसन जर्नल ने अपने 'स्वर्ण बुजुर्ग' माला में दत्त के शोध निबंध का पुनः प्रकाशन किया तब लोगों को मालूम हुआ कि वह गुरुत्व पतन का आकलन करने वाले पहले व्यक्ति थे। अब यही उचित होगा कि इसका नाम दत्त-ओपेनहाइमर-श्नाइडर कर दिया जाए।

इसके बाद अमल कुमार रायचौधुरी जब आशुतोष कॉलेज में प्राध्यापक थे, एक महत्वपूर्ण समीकरण की खोज की। एक वस्तु समूह आइंस्टीन के नियम के अनुसार कैसे विकसित-केंद्रित या विकेंद्रित होती है। यह समीकरण विश्व की गति और उसकी विकास प्रक्रिया का नियोजन करती है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि गुरुत्व-पतन का अंत हमेशा अंतरिक्ष-समय विकृति (सिंगुलरिटी) में होगा। यह सब बिना किसी शर्त के होता है। छठे दशक के मध्य में कैंब्रिज में स्टीफन हॉकिंग और रॉजर पेनरोज ने रायचौधुरी समीकरण और ग्लोबल एनालिसिस गणतीय तकनीक का उपयोग करके कई शक्तिशाली और मूलगामी प्रमेय थ्योरम प्रस्थापित किए, जिनका निहितार्थ था, अंतरिक्ष-समय विकृति रिलेटिविटी का निहित गुणधर्म है।

अंतरिक्ष-समय विकृति तक पहुंचने के पहले ऐसी स्थिति आती है, जहां अंतरिक्ष की वक्रता इतनी अधिक होती है कि प्रकाश भी बाहर नहीं निकल सकता। यही ब्लैक होल है, जो विशुद्ध ज्यामितीय वस्तु है। इसलिए यह मिसेल-लाप्लास के ब्लैक होल से भिन्न और उससे बहुत आगे की बात है। इसलिए ब्लैक होल का बनना जनरल रिलेटिविटी में तय है। इसी भविष्यवाणी के लिए पेनरोज को नोबेल पुरष्कार दिया गया है। जहां से प्रकाश न निकल सके, वहां से कोई संदेश भी नहीं आ सकता है। ब्लैक होल के अंदर क्या होता है, इसका पता हमें सिद्धांततः नहीं लग सकता। घटना-क्षितिज (इवेंट होराइजन) पैदा हो जाता है। इसीलिए यह अद्भुत और अजीबोगरीब चीज है। अगर रायचौधुरी को प्रगत गणित का साथ मिला होता तो संभव है, वे पेनरोज-हाकिंग के प्रमेय और शायद ब्लैक होल खोज पाते! पेनरोज ने और बहुत से मूलभूत और महत्वपूर्ण शोध किए हैं।

विश्व की उत्पति, महाविस्फोट के पहले और बाद की स्थिति के संक्रमण से लेकर विज्ञान, दर्शन और मानवीय संवेदना तक! 1967 में फ्रेड होएल और जयंत नार्लीकर ने सवाल किया था कि एक महाकाय गैस बादल के केंद्र में कितनी संहति का तारा होना चाहिए, जो उसके विस्तार को काबू कर एक आकाशगंगा जैसी व्यवस्था बना सके? उत्तर आया- सौ करोड़ सूर्य संहिति। सबसे महत्व की खोज थी-2.7 केल्विन माइक्रोवेव रेडिएशन की, जो इसकी पहचान तथा संदेश है कि विश्व की उत्पति एक तप्त महाविस्फोट से हुई। इससे बिग-बैंग सिद्धांत को ठोस और मजबूत नीव मिल गई। इस तरह ब्लैक होल और अंतरिक्ष-समय विकृति की खोज, जो आइंस्टीन के गुरुत्व सिद्धांत के लिए योग्य धरातल बन गया था।

ट्विटर

दिल्ली के लोग समझदार हैं। त्यौहार के सयय बाजारों में भीड़ की वजह से संक्रमण बढ़ा है। मगर हम इस स्थिति से बाहर आ जाएंगे। किसी को घबराने की जरूरत नहीं।

अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

जब तक टीका नहीं, तब तक ढिलाई नहीं। ऐसी अपील प्रधानमंत्री कर चुके हैं, मगर लोगों पर इसका असर नहीं हो रहा। सभी को गंभीरता दिखानी होगी।

डॉ. हर्षवर्द्धन, स्वास्थ्य मंत्री

सत्यार्थ

सुकरात की सीख

संत सुकरात की सादगी और धैर्य सबको आकर्षित करते थे। उनकी प्रसिद्धि का एक परिणाम यह हुआ कि उनके घर सत्संग के लिए आने वालों की भीड़ बढ़ने लगी। उनकी पत्नी को यह बात अच्छी नहीं लगती। वे कहतीं कि घर पर निठल्ले लोगों को बैठाए रखने का कोई मतलब नहीं बनता। लेकिन सुकरात उनकी बात हंसकर टाल देते। पत्नी को समझाने के लिए वे सही मौके का इंतजार कर रहे थे।

एक दिन वे लोगों के साथ बैठ कर बातचीत कर रहे थे। उन्हें ध्यान नहीं रहा कि पत्नी ने उनके साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बना रखा था। पहले तो वह लोगों के जाने का इंतजार करती रहीं, मगर जब यह बैठक खत्म होती नहीं दिखी, तो नाराज पत्नी ने छत पर से गंदा पानी उलीच दिया व सत्संग के लिए आए लोगों को बुरा-भला भी कहने लगीं। गंदे पानी से सभी लोग भीग गए। यह उन लोगों का ही नहीं, सुकरात का भी अपमान था। पर इस घटना से अविचलित हो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा -आपने सुना होगा कि जो गरजता है, वह बरसता नहीं। आज तो मेरी पत्नी ने गरजना-बरसना साथ-साथ कर उपरोक्त कहावत को ही झुठला दिया है। सुकरात के विनोद भरे इन शब्दों से सत्संग का माहौल बदल गया। थोड़ी देर में सत्संग खत्म कर सुकरात उठे व अंदर जाकर पत्नी से कहा- चलो, तुम्हारे कार्यक्रम में चलना है। अब नहीं चलेंगे, तो देर हो जाएगी। सुकरात का धैर्य देख लज्जित पत्नी ने माफी मांगी, तो सुकरात ने कहा- मुझे इसी पल का इंतजार था। आज तुम यह समझ सकती हो कि ऐसा धैर्य उन्हीं विचारों का परिणाम है, जो सत्संग के दौरान हमारे मन में उठते हैं और हम एक-दूसरे से साझा करते हैं। मतलब, सत्संग सिर्फ निठल्लों की महफिल नहीं, बल्कि एक जरूरी काम है।

न्यूज

यूपी में 23 नवंबर से खुलेंगे सभी विश्वविद्यालय-कॉलेज, कोरोना प्रोटोकॉल का करना होगा पालन

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी की योगी सरकार ने 23 नवंबर से सभी राज्य व निजी विश्वविद्यालय खोलने का फैसला लिया है। मंगलवार को इस संबंध में अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग ने प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारियों, उच्च शिक्षा निदेशक, प्रयागराज, सभी राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव को पत्र लिखकर आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि कक्षाओं में अधिकतम 50 प्रतिशत विद्यार्थी ही उपस्थित रहेंगे, वहीं कॉलेज स्टॉफ को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने का आदेश दिया गया है। निर्देश में छात्रों से अपील करते हुए कहा है कि सभी छात्रों को फेस कवर/मास्क पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करना चाहिए।

10वीं और 12वीं का परीक्षा शुल्क माफ करने संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने कोरोना महामारी के कारण अभिभावकों की वित्तीय स्थिति के मद्देनजर 10वीं और 12वीं के छात्रों का परीक्षा शुल्क माफ करने का केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और दिल्ली सरकार को दिशानिर्देश देने संबंधी याचिका मंगलवार को निरस्त कर दी। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एमआर शाह की खंडपीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 28 सितंबर के आदेश के खिलाफ गैर-सरकारी संगठन सोशल ज्यूरिस्ट की याचिका यह कहते हुए ठुकरा दी कि वह इस तरह का निर्देश नहीं दे सकती। शीर्ष अदालत ने सोशल ज्यूरिस्ट की ओर से पेश वकील अशोक अग्रवाल से कहा कि कोई अदालत सरकार को ऐसा करने का निर्देश कैसे दे सकती है? न्यायमूर्ति भूषण ने कहा कि आपको सरकार को यह प्रतिवेदन देना चाहिए। यह याचिका खारिज की जाती है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस याचिका को केजरीवाल सरकार और सीबीएसई के समक्ष प्रतिवेदन के रूप में देने का निर्देश दिया था।

सीएम उद्धव ठाकरे ने परिवार के साथ बालासाहेब को दी श्रद्धांजलि

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की आठवीं पुण्यतिथि पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को पत्नी रश्मी ठाकरे और बेटे आदित्य ठाकरे के साथ मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने वालों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, वसुंधरा राजे सिंधिया, पंकजा मुंडे, अशोक चव्हाण, जयंत पाटिल और अन्य शामिल हैं। बालासाहेब की पुण्यतिथि पर मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क में स्मृति स्थल को फूलों से सजाया गया था। श्री ठाकरे के अनुयायी श्रद्धांजलि देने दूर दराज इलाके से स्मृति स्थल आये थे।

महाराष्ट्र में भाजपा को एक और झटका, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने छोड़ी पार्टी

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)। भाजर्पा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जयसिंगराव गायकवाड़ पाटिल ने मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। पाटिल ने अपना इस्तीफा महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल को भेजा। औरंगाबाद में रहने वाले गायकवाड़ पाटिल ने फोन पर बताया कि मैं पार्टी के लिए काम करने का इच्छुक था, लेकिन पार्टी मुझे कोई मौका नहीं दे रही है। इसलिए मैंने यह कदम उठाया। चंद्रकांत पाटिल को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि वह भाजपा की प्रदेश इकाई और साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहे हैं। वरिष्ठ नेता ने कहा कि इससे पहले वह केंद्र एवं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि मैं सांसद या विधायक नहीं बनना चाहता हूं। मैं पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करना चाहता हूं और मैं एक दशक से जिम्मेदारी मांग रहा हूं, लेकिन, अब तक पार्टी ने मुझे कोई मौका नहीं दिया। गायकवाड़ ने इस्तीफा फेसबुक अकाउंट पर भी शेयर किया है।

भाजपा ने कर्नाटक से राज्यसभा उपचुनाव के लिए कारोबारी के नारायण को उतारा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने कर्नाटक से राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मंगलवार को पार्टी से जुड़े और आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले कारोबारी के नारायण को अपना उम्मीदवार बनाने की घोषणा की। अशोक गस्ती के निधन के कारण राज्यसभा की यह सीट रिक्त हो गई और एक दिसंबर को उपचुनाव होगा। मेंगलुरु के रहने वाले नारायण देवांगा समुदाय के हैं और उनका पत्रिका के प्रकाशन और मुद्रण का कारोबार है। आम लोगों के बीच संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के मकसद से नारायण ने मासिक पत्रिका संभाषण संदेश का प्रकाशन शुरू किया था। इस पत्रिका का सितंबर 1994 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह ने विमोचन किया था। उसके बाद से वे पिछले 25 साल से संस्कृत पत्रिका का प्रकाशन कर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तुलसी राम का निधन

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पंडित तुलसी राम का निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और कांगड़ा स्थित मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल श्रीबालाजी में उपचाराधीन थे। सोमवार रात साढ़े दस बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह तीन बार 1990, 1998 व 2007 में भरमौर से विधायक रहे हैं। इसी बीच वे 2007 से 2012 कर हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष भी रहे। जब प्रेम कुमार धूमल प्रदेश के सीएम बने तो उन्होंने पंडित जी को विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए बेहतरीन मानते हुए, इस पद से सुशोभित किया। उन्होंने बाद में पालमपुर में अपना घर बना लिया था, इन दिनों वह वहीं पर रह रहे थे।

देश की भावनाओं के हिसाब से चले गुपकर गैंग : शाह

वरना जनता उसे डुबो देगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों के गुपकर घोषणापत्र गठबंधन में कांग्रेस के शामिल होने को लेकर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उस पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया और इसे गुपकर गैंग करार दिया। अपने ट्वीट में अमित शाह ने लिखा कि गुपकर गैंग ग्लोबल हो रहा है! वे चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय ताकतें हस्तक्षेप करें। क्या सोनिया जी और राहुल जी गुपकर गैंग के ऐसे कदमों का समर्थन करते हैं? उन्हें देश की जनता के सामने अपना स्टैंड साफ करना चाहिए।

अमित शाह ने एक के बाद एक किए सिलसिलेवार ट्वीट्स में लिखा कि कांग्रेस और गुपकर गैंग जम्मू-कश्मीर को वापस आतंक के युग में ले जाना चाहते हैं। वे दलितों, महिलाओं और आदिवासियों के वे अधिकार छीन लेना चाहते हैं, जो हमने अनुच्छेद 370 हटाकर दिए हैं, यही वजह है कि देश की जनता उन्हें हर जगह रिजेक्ट कर रही है। गृह मंत्री ने इसके साथ ही लिखा कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से भारत का आतंरिक हिस्सा रहा है। भारत के लोग राष्ट्रहित के खिलाफ बने किसी अपवित्र ग्लोबल गठबंधन को सहन नहीं करेंगे या तो गुपकर गैंग देश के मूड के साथ चले नहीं तो लोग उसे डुबो देंगे।

गुपकर घोषणापत्र नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला के गुपकर स्थित आवास पर चार अगस्त, 2019 को हुई एक सर्वदलीय बैठक के बाद जारी प्रस्ताव है। इसमें पार्टियों ने सर्वसम्मति से फैसला किया है कि जम्मू-कश्मीर की पहचान, स्वायत्तता और उसके विशेष दर्जे को संरक्षित करने के लिए वे मिलकर प्रयास करेंगी। बता दें कि कांग्रेस हाल ही में कांग्रेस भी गुपकर घोषणापत्र में शामिल हुई है। इसके बाद वह पीडीपी, नेकॉ के साथ डीडीसी का चुनाव लड़ेगी।

गृह मंत्री की टिप्पणी पर कांग्रेस ने किया पलटवार, कहा

हम गुपकर का हिस्सा नहीं, बयान भ्रामक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मंगलवार को गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) को लेकर उस पर निशाना साधे जाने के बाद पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि इस मामले में शाह का बयान भ्रामक, शरारतपूर्ण और सरासर झूठ है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि कांग्रेस पीएजीडी में शामिल नहीं है और वह जम्मू-कश्मीर में जिला विकास परिषद का चुनाव लड़ रही है, ताकि भाजपा का चेहरा बेनकाब हो सके। सुरजेवाला ने एक बयान जारी कर कहा कि आए दिन झूठ बोलना और नए भ्रमजाल गढ़ना मोदी सरकार का चाल, चेहरा और चरित्र बन गया है। शर्म की बात तो यह है कि गृहमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी को दरकिनार कर जम्मू, कश्मीर तथा लद्दाख पर सरासर झूठी बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस कड़े शब्दों में शाह व मोदी सरकार के मंत्रियों के आचरण की निंदा करती है तथा याद दिलाती है कि जम्मू, कश्मीर और लद्दाख पर उनका आचरण ऐसा ही है, जैसा कि नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली।

सुरजेवाला के बयान से मेल नहीं खाते खुर्शीद के बयान : गुपकर गठबंधन पर खुर्शीद ने कहा कि मेरी पार्टी ने इस मामले में औपचारिक स्टैंड ले ली है। मुद्दा यह था कि क्या हमें स्थानीय चुनावों में हाथ मिलाना चाहिए। इसलिए, उनके साथ आंशिक जुड़ाव था। उस घोषणा के वैचारिक निहितार्थों की गंभीर चर्चा हुई है। ऐसे में सवाल अभी भी बरकरार है कि कांग्रेस गुपकर गठबंधन में शामिल है कि नहीं।

महबूबा मुफ्ती और अब्दुल्ला ने भी साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने गुपकर गैंग वाली टिप्पणी के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर मंगलवार को पलटवार किया। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि इस तरह का बयान बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से लोगों को ध्यान हटाने के लिए दिया गया है। खुद को मसीहा और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को देश का दुश्मन की तरह पेश कर भारत को बांटने के भाजपा के हथकंडे का अनुमान लगाया जा सकता है। वहीं, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह राजनीतिक गठबंधन द्वारा आगामी निकाय चुनाव लड़ने का निर्णय करने तथा भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए खुला मैदान नहीं छोड़ने से उपजी कुंठा है। शाह के ट्वीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम गैंग नहीं हैं अमित शाह जी, हम वैध राजनीतिक गठबंधन हैं जिसने चुनाव लड़े हैं और लड़ते रहेंगे और यही बात आपको परेशान कर रही है।

तबलीगी जमात मामले में केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

हलफनामा दायर करने पर कहा हम आपके जवाब से संतुष्ट नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी के दौरान तब्लीगी जमात की मीडिया कवरेज को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के हलफनामे को लेकर नाराजगी जताई है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि सरकार को टीवी पर ऐसी सामग्री से निपटने के लिए एक नियामक तंत्र स्थापित करने पर विचार करना चाहिए।

अदालत ने कहा कि हम यह जानना चाहते हैं कि टीवी पर इस प्रकार की सामग्री से निपटने के लिए किस तरह की व्यवस्था है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र को केबल टीवी नेटवर्क कानून के तहत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के नियमन की प्रणाली से संबंधित नया हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि पहले आपने एक उचित हलफनामा दायर नहीं किया और फिर आपने एक ऐसा हलफनामा दायर किया, जिसमें दो महत्वपूर्ण प्रश्नों का जवाब नहीं दिया गया है। हम आपके जवाब से संतुष्ट नहीं हैं।

विनियमन को एनबीएसए जैसे संगठन के लिए नहीं छोड़ा जा सकता : इस पीठ में जस्टिस एएस बोपन्ना और वी रामसुब्रमण्यन भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि हम यह जानना चाहते हैं कि टेलीविजन पर इस तरह की सामग्रियों से निपटने के

लिए किस तरह का तंत्र है। यदि कोई नियामक तंत्र नहीं है तो आप इसका निर्माण करें। विनियमन को एनबीएसए जैसे संगठन के लिए नहीं छोड़ा जा सकता है।

अब तीन सप्ताह बाद की जाएगी इस मामले पर अगली सुनवाई : पीठ जमीयत उलमा-ए-हिंद और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया कि महामारी की शुरुआत के दौरान तब्लीगी जमात पर मीडिया का एक वर्ग सांप्रदायिक नफरत फैला रहा था। पीठ ने केंद्र को केबल टीवी नेटवर्क कानून के तहत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के नियमन की प्रणाली से संबंधित नया हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। इस मामले पर अगली सुनवाई अब तीन सप्ताह बाद की जाएगी।

उत्तराखंड हाईकोर्ट के नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे महाराष्ट्र के राज्यपाल कोश्यारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड हाईकोर्ट की ओर से जारी एक नोटिस को लेकर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक याचिका को लेकर कोश्यारी को नोटिस जारी किया था। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें आवंटित सरकारी बंगले का किराया न भरने के लिए उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई थी। कोश्यारी ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए दलील दी है कि वह इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं और संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपालों को इस तरह की किसी भी कार्रवाई से संरक्षण प्रदान करता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि बाजार दर बगैर किसी तार्किकता के निर्धारित की गई है और यह देहरादून में आवासीय परिसर के हिसाब से बहुत ही ज्यादा है और उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर दिए बगैर ही निर्धारित नहीं किया जाना चाहिए था। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल तीन मई को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों को आदेश दिया था कि वे मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद सरकारी आवास में रहने की अवधि का बाजार दर से किराया दें। उच्च न्यायालय ने राज्य में पूर्व मुख्यमंत्रियों को आवास और दूसरी सुविधाएं प्रदान करने के बारे में 2001 से जारी सभी सरकारी आदेशों को गैरकानूनी और असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

सांसद रीता बहुगुणा जोशी की आठ साल की पोती की पटाखे से झुलसकर मौत

प्रयागराज, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से भाजपा सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी की आठ साल की पोती का सोमवार देर रात निधन हो गया। रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी की बेटी किया सोमवार शाम साढ़े चार बजे बच्चों के साथ पटाखे फोड़ते समय जल गई थी। इसके बाद उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसका निधन हो गया।

सांसद रीता बहुगुणा ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव से बात कर बच्ची को एयर एम्बुलेंस से दिल्ली ले जाने की तैयारी कर ली थी। मंगलवार सुबह बच्ची को दिल्ली ले जाना था, किंतु 1.30 से 2 बजे के आसपास बच्ची को सांस लेने में तकलीफ हुई और डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। सांसद के इकलौते बेटे मयंक लखनऊ से सोमवार रात में सीधे दिल्ली पहुंच गए थे।

सांसद के समर्थकों में शोक की लहर : इस घटना से सांसद के समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। सांसद अपने पति पीसी जोशी के साथ दीपावली पर प्रयागराज आवास पर आई थीं। सांसद के मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ल ने बताया कि बच्चे घर की छत पर खेल रहे थे। इस दौरान पटाखा फटने से किया बुरी तरह घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके 60 प्रतिशत तक जलने की जानकारी दी। आपको बता दें कि मयंक की शादी 2007 में हुई थी और किया उनकी इकलौती बेटी थी।

कोरोना को हराया, लेकिन पटाखे से हार गई मासूम: आठ साल की मासूम ने कोरोना को हरा दिया, लेकिन पटाखे से हार गई। सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, बहू रिचा के साथ पोती किया 9 सितंबर को कोरोना पॉजीटिव पाई गई थी, इसके बाद तीनों को पीजीआई लखनऊ से मेदांता दिल्ली शिफ्ट किया था। सांसद के पति पीसी जोशी का मेदांता में पहले से इलाज चल रहा था। मासूम किया सितंबर के तीसरे हफ्ते में डिस्चार्ज हुई थी।

देश जब भी चाहेगा शिवसेना हिंदुत्व की तलवार भांजते हुए आ जाएगी आगे : संजय राउत

मुंबई, (एजेंसी)। लंबे समय तक साथ रही भाजपा और शिवसेना के नेताओं में जुबानी जंग लगातार जारी है। शिवसेना संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि देश को जब भी जरूरत होगी उनकी पार्टी हिंदुत्व की तलवार भांजते हुए आगे आ जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह और उनकी पार्टी हमेशा हिंदुत्ववादी थी और रहेगी।

शिवसेना नेता ने कहा कि हमें हमारा हिंदुत्व सर्टिफिकेट किसी पार्टी से लेने की जरूरत नहीं है। हम हिंदुत्ववादी थे, हैं और हमेशा रहेंगे। हम उनकी तरह हिंदुत्व की राजनीति नहीं करते हैं। जब भी देश को हमारी जरूरत होगी, शिवसेना हमेशा हिंदुत्व की तलवार लहराते हुए आगे आ जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब राउत ने हिंदुत्व को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है।

16 नवंबर से महाराष्ट्र सरकार की ओर से धार्मिक स्थलों को दोबारा खोले जाने की घोषणा के बाद भाजपा ने इस कदम को हिंदुत्व की जीत बताया था। राउत ने रविवार को कहा कि यह किसी की जीत या हार नहीं है। शिव सेना नेता ने पार्टी पर यह कहते हुए निशाना साधा कि इन्हें (धार्मिक स्थलों को) पीएम मोदी के निर्देश पर बंद किया गया था।

मंदिरों को बंद रखने का फैसला केंद्र सरकार का था

राउत ने कहा कि लॉकडाउन पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लगाया गया था और मंदिरों को बंद रखने का फैसला भी उनका था। इसलिए कोई वजह नहीं है कि भाजपा इस मामले में हिंदुत्व की जीत के लिए क्रेडिट ले। मैं मानता हूं कि प्रधानमंत्री को ऐसे लोगों को हार और जीत का मतलब बताना होगा। राउत ने यह भी जोर दिया कि पूजा स्थलों को खोलने में केंद्र सरकार की ओर से घोषित एसओपी का पालन किया जा रहा है।

सोमवार को खोले गए हैं महाराष्ट्र में धार्मिक स्थल: राउत ने कहा कि सरकार की ओर से तैयार एसओपी का सख्ती से पालन करने की जरूरत है। श्रेय लेने की कोई जरूरत नहीं है। यह भगवान की मर्जी थी कि लोग घरों में रहें और यह भी उनकी ही इच्छा है कि सावधानी के साथ पूजा स्थलों को दोबारा खोला जाएगा। कोरोना महामारी की वजह से कई महीनों तक बंद रहने के बाद महाराष्ट्र में सभी धार्मिक स्थलों को सोमवार से खोल दिया गया है।

कारपोरेटों के खिलाफ नहीं हैं परन्तु किसानों के हितों की रक्षा के लिए विधि -विधान बनाने की जरूरत - मुख्यमंत्री

अमरीकी -पंजाब निवेशकों की गोलमेज कान्फ्रेंस का उद्घाटन, अमरीकी निवेशकों को राज्य के कारोबार समर्थकी माहौल का लाभ उठाने का न्योता

चंडीगढ़/ब्यूरो

कृषि बिलों पर राज्य और केंद्र सरकारों के दरमियान मतभेदों पर चिंता ज़ाहिर करते हुये पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने आज स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम कारपोरेटों के ख़िलाफ़ नहीं हैं परन्तु किसानों के हितों की सुरक्षा और उनके आड़तियों के साथ लंबे समय से चल रहे रिश्तो की कायमी के लिए कोई विधि -विधान तो बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को ख़त्म करने की कोई भी कोशिश काम नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने केंद्रीय कृषि कानूनों को असरहीण बनाने के लिए पंजाब विधान सभा में बिल लाए हैं और इसके अलावा इस मुद्दे को प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्यों पास भी उठाया है। यू.एस.ए. -पंजाब निवेशक गोलमेज कान्फ्रेंस - 2020 के वर्चुअल उद्घाटनी सैशन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अनाज सुरक्षा को यकीनी बनाया जो आज काफ़ी है, हो सकता कल न हो। चाहे भारत आज अनाज को निर्यात कर रहा है परन्तु इसका यह मतलब नहीं है कि अतिरिक्त अनाज सदा ही रहेगा। उन्होंने कहा कि मुल्क को अपने अनाज भंडार रखने होंगे। पंजाब जो भारत के ज़मीनी क्षेत्र का 1.5 प्रतिशत होने के बावजूद भारत की जी.डी.पी. में 3 प्रतिशत योगदान डालता है, में अमरीकी कंपनियों की बढ़ रही रूचि की श्लाघा करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे पंजाब पहले ही कृषि प्रधान राज्य है और भारतीय हरित क्रांति का घर है परन्तु उनकी सरकार विदेशी मार्केट में और ज्यादा वृद्धि के साथ कृषि को अधिक मूल्य वाला सैक्टर बनाना चाहती है। निवेशकारों को उद्योग को प्रफुल्लित करने के लिए राज्य के विलक्षण कारोबार समर्थकी सभ्याचार का लाभ उठाने का न्योता देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि यू.एस.ए., पंजाब आधारित कंपनियों के लिए निर्यात का चोटी का टिकाना है जोकि साल 2019 -2020 में 685 मिलियन अमरीकी डालर के रूप में पंजाब के कुल निर्यात का 12 प्रतिशत बनता है। शुरुआत में मुख्यमंत्री ने अमरीका को अपनी चुनावी प्रक्रिया मुकम्मल होने और जोअ बाइडन और कमला हेरिस को क्रमवार राष्ट्रपति और उप राष्टपति चुनने के लिए बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि अमरीका और पंजाब के दरमियान सहकारिता और मित्रता के नये युग की शुरुआत होगी। अमरीका में बड़ी संख्या में गतिशील पंजाबी एन.आर.आई. जनसंख्या की तरफ से निभाई भूमिका का ज़िक्र करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपने मुल्कों की सफलता के लिए सख़्त मेहनत कर रहे हैं और इस समय पर अमरीका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू अमरीका और पंजाब के दरमियान बने तालमेल की प्रमुख मिसाल है। भारत आ रही अलग-अलग अमरीकी कंपनियों और अन्य विदेशी निवेशकारों के लिए पंजाब प्राथमिक जगह होने का ज़िक्र करते हुये मुख्यमंत्री ने बताया कि पेप्सी और वॉलमार्ट पंजाब में अपने भारतीय कार्य शुरू कर चुके हैं और 30 से अधिक अमरीकी कंपनियाँ जिनमें ऐमाजोन, वॉलमार्ट, कुआरक, कारगिल, टाईसोन, पेप्सी, कोका कोला शामिल हैं, भी इस समय पर पंजाब में काम कर रही हैं। औद्योगिक और कारोबारी नीति में उनकी सरकार की तरफ से किये बड़ी तबदीलियों का हवाला देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक सर्व व्यापक नीति है जो बड़े इकाईयों, एम.एस.एम.ईज़ और स्टार्ट अप दोनों, निर्माण और सेवा क्षेत्र सभी को प्रोत्साहन देती है। उन्होंने यह बात ज़ोर देकर कहा कि उनकी सरकार ने अपनी नीतियों के प्रति वचनबद्धताओं का सम्मान किया है और एक स्थिर नीतिगत व्यवस्था को यकीनी बनाने के लिए काम किया है जिससे सरकारी तबदीलियों के द्वारा निवेशकों के लिए स्थिरता को यकीनी बनाया जा सके। उन्होंने अपनी सरकार की तरफ से निवेशकों को बढ़ावा देने और राज्य में कारोबार के लिए माहौल को और बेहतर बनाने के लिए उठाये कदमों को भी गिनवाया। इसके अलावा पंजाब कारोबार का अधिकार कानून, 2020 के द्वारा एम.एस.एम.ईज़ को स्व-प्रमाणपत्र के आधार पर जो साढ़े तीन साल के लिए योग्य है, राज्य में कारोबार स्थापित के लिए आज्ञा देना भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वैस्ट पंजाब (पंजाब ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमैंट पर्मोशन) अपनी किस्म का एक ऐसा 'यूनीफाईड रैगूलेटर' मॉडल है जहाँ सिंगल विंडो सर्विस पोर्टल पर 12 से अधिक विभागों की 66 से अधिक सेवाएं हासिल की जा सकतीं हैं। इन्वेस्टमैंट ब्यूरो के सी.ई.ओ. को राज्य स्तर की मंजूरियां देने के लिए शक्तियां दी गई हैं। नयी नीति में विस्तार करने और नई ईकाईयों के लिए समान प्रोत्साहन दिया गया है जिसमें अनूठी पुलिस पहलकदमीयां जैसे कि जी.एस.टी. की भरपाई और उदारवादी रोजगार सब्सिडी (बिना किसी निवास की पाबंदी के) भी शामिल हैं।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले पर बोले केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद

यूपीए शासन के दौरान बिना डील के नहीं होती थी कोई डील

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाले को लेकर केंद्रीय कानून मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर हमला बोला है। मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जब भी आप सेना में किकबैक की बात सुनेंगे तो आपको कांग्रेस की याद आएगी। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में बिना किकबैक के कोई काम नहीं होता था। कोई भी डील बिना डील के नहीं होती थी।

दरअसल, अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाले में आरोपी राजीव सक्सेना ने पूछताछ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद और अहमद पटेल का नाम लिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब भी आप एक सैन्य सौदे में एक किकबैक के बारे में सोचते हैं, तो कुछ कांग्रेसी नेताओं का ख्याल आता है। बोफोर्स से लेकर सबमरीन घोटाले और अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टरों से लेकर जीप घोटाले तक, यूपीए सरकार में बिना किकबैक के कोई काम नहीं होता था। कांग्रेस राज में कोई भी डील बिना डील के नहीं होती थी।

अब तक यूपीए के कारनामे आ रहे हैं बाहर

अगस्ता वेस्टलैंड डील को लेकर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 2010 में 3,600 करोड़ की राशि से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लिए वीवीआईपी अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर खरीदने की बात हुई थी। दो साल बाद 2012 में मीडिया रिपोर्ट आ गई की किकबैक हुआ है। उन्होंने कहा कि 2013 में इस मामले में सीबीआई जांच शुरू हुई। दोस्तों ये मामला थोड़ा पुराना है, लेकिन यूपीए की विरासत खत्म नहीं होती है। हम छह साल से सत्ता में आए हैं, लेकिन अब तक यूपीए के कारनामे बाहर आ रहे हैं। जनवरी 2014 में सौदे को रद्द कर दिया गया। आज की कहानी से पहले आपको कुछ बता देता हूं, जिससे आपको समझने में आसानी हो।

कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर दे जवाब

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजीव सक्सेना ने ईडी को बताया कि नेताओं और शीर्ष अधिकारियों को पैसे दिए गए। टोटल किकबैक 70 मिलियन यूरो का था। उन्होंने कहा कि अगर एपी का मतलब अहमद पटेल है तो एफएएम का मतलब भी लोगों के समक्ष आना चाहिए। क्या एफएएम का मतलब फैमिली है और अगर ऐसा है तो सब जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी में परिवार किसका है। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा, युवराज और नेताओं को जवाब देना होगा। ये लोग देश को बताएं कि प्रमाणिक रूप से कोर्ट के सामने कांग्रेस के कई नेताओं का जिक्र आया है, इनका इस पर क्या कहना है?

ट्रंप नहीं मानें तो हो सकती हैं कोरोना से ज्यादा मौतें

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में विजयी बाइडेन ने किया आगाह

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए जो बाइडेन ने आगाह किया है कि अगर मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया में सहयोग नहीं करते हैं और घातक कोरोना महामारी से निपटने की राह में बाधा डालते हैं तो कई और अमेरिकियों की जान जा सकती है। मीडिया ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार बाइडेन को तीन नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव की मतगणना में जीता हुआ दिखाया है।

बाइडेन के पास 306 इलेक्टोरल वोट हैं, जो जीतने के लिए आवश्यक 270 से अधिक है। हालांकि, रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने चुनाव में धोखाधड़ी का आरोप

लगाते हुए कई निर्णायक राज्यों में कानूनी लड़ाई शुरू की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हार नहीं स्वीकार करने और उनके प्रशासन द्वारा हस्तांतरण प्रक्रिया में सहयोग से इंकार के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बाइडेन ने सोमवार को अपने गृह राज्य डेलावेयर में कहा कि अगर हम तालमेल नहीं बिठाते हैं तो और अधिक लोगों की मौत हो सकती है।

जीएसए ने अभी तक बाइडेन और कमला हैरिस को विजेता के तौर पर नहीं दी है मान्यता

अमेरिकी सरकार की एजेंसी-सामान्य सेवा प्रशासन (जीएसए)- जो सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करती है, उसने अभी तक बाइडेन और कमला हैरिस को विजेता के तौर पर मान्यता नहीं दी है। इस एजेंसी के प्रमुख ट्रंप द्वारा नियुक्त व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि टीका महत्वपूर्ण है और जब तक आपको टीका नहीं दिया जाता, तब तक इसका कोई महत्व नहीं है। कैसे अमेरिका को टीका मिलेगा और कैसे 30 करोड़ अमेरिकी लोगों को टीका लगाया जाएगा, इसके लिए क्या योजना है, यह एक सवाल है। इससे निपटने में विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के बाकी देशों के साथ भी काम करना होगा।

...तो करीब डेढ़ महीने पीछे रह जाएगा अमेरिका

उन्होंने कहा कि अगर इसके लिए अगले साल 20 जनवरी तक प्रतीक्षा करनी पड़ी (राष्ट्रपति शपथ ग्रहण समारोह) तो अमेरिका करीब डेढ़ महीने पीछे रह जाएगा। अमेरिका में कोविड-19 के मामलों में हाल के दिनों में काफी बढ़ोतरी हुई है। दैनिक नए मामलों में काफी उछाल आया है। प्रकोप शुरू होने के बाद पहली बार एक दिन में 160000 से अधिक मामले आए हैं। अमेरिका में 247000 से अधिक लोगों की बीमारी के कारण मौत हो चुकी है। अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फौची ने आगाह किया है कि सर्दियों में देश की स्थिति बहुत ही खराब हो सकती है।

पाक सेना के आतंकी लिंक पर पूर्व राष्ट्रपति ओबामा का खुलासा

इसलिए गुप्त रखा ओसामा के खिलाफ ऑपरेशन

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि उन्होंने एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के ठिकाने पर छापा मारने के अभियान में पाकिस्तान को शामिल करने से इंकार कर दिया था, क्योंकि यह खुला रहस्य था कि पाकिस्तान की सेना, खासकर उसकी खुफिया सेवा में कुछ तत्वों के तालिबान और संभवतः अलकायदा से संबंध थे और वे कई बार अफगानिस्तान और भारत के खिलाफ सामरिक पूंजी के तौर पर इनका इस्तेमाल करते थे।

ओबामा ने ए प्रोमिस्ड लैंड नामक अपनी किताब में राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल में एबटाबाद में मारे गए छापे की जानकारी दी है। अमेरिकी कमांडो के इस छापे में दुनिया का सर्वाधिक वांछित आतंकवादी लादेन दो मई, 2011 को मारा गया था। उन्होंने बताया कि इस अत्यधिक खुफिया अभियान का तत्कालीन रक्षा मंत्री रोबर्ट गेट्स और पूर्व उपराष्ट्रपति और मौजूदा निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने विरोध किया था।

अलकायदा प्रमुख को मारने कई विकल्पों पर विचार किया : अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति ने बताया कि एबटाबाद में पाकिस्तानी सैन्य छावनी के बाहर एक पनाहगाह में लादेन के रहने की बात स्पष्ट हो जाने के बाद अलकायदा प्रमुख को मारने के लिए कई विकल्पों पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान की गोपनीयता बनाए रखने की आवश्यकता ने चुनौती बढ़ा दी थी। ओबामा ने कहा कि हम जानते थे कि यदि किसी को बिन लादेन के बारे में हमारे कदम की जरा सी भी भनक लग गई, तो मौका हमारे हाथ से चला जाएगा, इसी लिए पूरी संघीय सरकार में केवल कुछ ही लोगों को अभियान की योजना की जानकारी दी गई थी। उन्होंने लिखा कि हमारे सामने एक और रुकावट थी, हम भले ही कोई भी विकल्प चुनते, उसमें पाकिस्तान को शामिल नहीं किया जा सकता था।

पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद विरोधी कई अभियानों में किया सहयोग : ओबामा ने कहा कि हालांकि पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद विरोधी कई अभियानों में हमारे साथ सहयोग किया और अफगानिस्तान में हमारे बलों के लिए अहम आपूर्ति मार्ग मुहैया कराया, लेकिन यह खुला रहस्य था कि पाकिस्तान की सेना, खासकर उसकी खुफिया सेवाओं में कुछ तत्वों के तालिबान और संभवतः अलकायदा से भी संबंध थे। वे यह सुनिश्चित करने सामरिक पूंजी के तौर पर कभी-कभी उनका इस्तेमाल करते थे कि अफगान सरकार कमजोर बनी रहे और अफगानिस्तान पाक के बड़े दुश्मन को भारत के नजदीक न आने पाए।

पाक को कुछ भी बताने से अभियान की जानकारी लीक हो सकती थी: उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान सेना एबटाबाद परिसर से कुछ ही मील की दूरी पर थी, जिस कारण इस बात की संभावना बढ़ गई थी कि पाकिस्तानियों को कुछ भी बताने से अभियान की जानकारी लीक हो सकती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने दूसरे विकल्प को चुना

अंतिम चरणों में दो विकल्पों पर विचार किया गया कि हवाई हमला किया जाए या किसी विशेष मिशन को अधिकृत किया जाए, जिसके तहत एक टीम हेलीकॉप्टर से चोरी-छुपे पाकिस्तान जाएगी, परिसर पर छापा मारेगी और पाकिस्तानी पुलिस या सेना के प्रतिक्रिया देने से पहले वहां से निकल आएगी। ओबामा और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने दूसरे विकल्प को चुना।

तत्कालीन राष्ट्रपति जरदारी ने दिया सहयोग का आश्वासन

ओबामा ने कहा कि इस अभियान के बाद उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई लोगों से फोन पर बात की, जिनमें से उनके लिए सबसे मुश्किल पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से बात करना था, जिन्हें पाकिस्तान की संप्रभुता के हनन के कारण आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता। उन्होंने कहा कि हालांकि मैंने जब उनसे बात की, तो उन्होंने बधाई दी और सहयोग देने का आश्वासन दिया।

न्यूज

पहली महिला राज्यपाल का 120वां जन्मदिन मनाया

जौनपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के सरांवा गांव में स्थित शहीद लाल बहादुर गुप्त स्मारक पर मंगलवार को हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी लक्ष्मीबाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने महान क्रांतिकारी और प. बंगाल की प्रथम महिला राज्यपाल पद्मजा नायडु का 120वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शहीद स्मारक पर मौजूद लोगो को संबोधित करते हुए लक्ष्मी बाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि मां सरोजनी नायडु की तरह खुद को देश के लिए समर्पित करने वाली महान क्रांतिकारी पद्मजा का जन्म 17 नवंबर 1900 को हैदराबाद में हुआ था ।

पंजाब में नगर निगम चुनावों में सभी सीटों पर लड़ेगी भाजपा

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब भाजपा नगर निगम चुनावों की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े करेगी। प्रदेश भाजपा के महासचिव जीवन गुप्ता ने मंगलवार को यहां बताया कि प्रदेश में होने वाले निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की सभी निगम सीटों पर अपने प्रत्याक्षी उतारेगी । पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने चुनाव प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंप दी है। श्री गुप्ता ने बताया कि श्री शर्मा ने निगम कमेटी चुनाव के प्रभारी पद पर जगराओं में अनिल सच्चर, खन्ना में रविंदर अरोड़ा, गोबिंदगढ़ में हरबंस लाल, फाजिल्का में मोहन लाल गर्ग, गुरदासपुर में बख्शी राम अरोड़ा, फिरोजपुर में सुनील ज्योति को नियुक्त किया है।

धनखड़ ने पश्चिम बंगाल पुलिस पर साधा निशाना

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने नादिया के प्लासी शमशानघाट में शहीद जवान सुबोध घोष के अंतिम संस्कार के दौरान भाजपा के सांसद जगन्नाथ सरकार से किए गए दुर्व्यवहार को लेकर राज्य पुलिस की आलोचना करते हुए कहा है कि यह पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से अपने कर्तव्यों का घोर उल्लंघन है। श्री धनखड़ ने मंगलवार को ट्विटर पर कहा कि राजनीतिक रूप से काम करने वाले पुलिस अधिकारियों को कानून के क्रोध का सामना करना पड़ेगा। इस तरह के व्यवहार से लोकतंत्र शर्मसार हुआ है।

अफगान में आतंकी हमले में 12 पुलिसकर्मी मारे गए

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के बदाक्षन प्रांत में सोमवार को तालिबान आतंकवादियों के हमले में एक कमांडिंग ऑफिसर समेत कम से कम 12 पुलिसकर्मी मारे गये और 10 अन्य घायल हो गए। टोलो न्यूज ब्रोडकास्टर ने मंगलवार को बताया कि आतंकवादियों ने कल प्रांत के जुरम जिले की एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। इस हमले में एक कमांडर समेत 12 पुलिसकर्मियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और 10 अन्य घायल हो गए। तालिबान की ओर से अभी तक इस घटना पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं आई है। अफगान सरकार पिछले कई सालों से तालिबान आतंकवादियों के हमलों का सामना कर रही है।

मेरा मास्क आपकी रक्षा करता है,

सभी के लिए मास्क
आपका मास्क मेरी रक्षा करता है

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग-पटनीटॉप समेत कई जगह हुई भारी बर्फबारी, पर्यटकों में खुशी

श्रीनगर, (एजेंसी)। पश्चिमी विभोक्ष के चलते रविवार से ही जम्मू कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हो रही है, वहीं, जम्मू के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पटनीटॉप में भी इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। बर्फ की सफेद चादर से लिपटे पटनीटॉप की सुंदरता को देखने के लिए कई पर्यटक पटनीटॉप का रुख कर रहे हैं।

पटनीटॉप के साथ ही इसके आसपास के इलाकों नत्था टॉप और रामबन के कई इलाकों में भी मौसम की पहली बर्फबारी हुई है। इस साल मार्च में शुरू हुए करोना संक्रमण के बाद विश्व प्रसिद्ध हिल स्टेशन पटनीटॉप वीरान हो गया था, लेकिन, अब मौसम की इस पहली बर्फबारी के साथ ही पर्यटकों ने पटनीटॉप का रुख

कर लिया है। इस बर्फबारी से न केवल पर्यटकों के बल्कि यहां पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के भी चेहरे खिल गए हैं।

पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को उम्मीद

जहां पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को आशा है कि नवंबर महीने में ही हुई बर्फबारी के बाद अब इस साल सर्दी के मौसम में पड़ोसी राज्यों से पर्यटक पटनीटॉप का रुख करेंगे, जिससे यहां होटल व्यवसाय और पर्यटन से जुड़े दूसरे लोगों को कमाई का कुछ साधन उपलब्ध होंगे, वहीं, दिल्ली समेत कई पड़ोसी राज्यों से पर्यटक पटनीटॉप में हुई इस बर्फबारी का लुत्फ लेने के लिए यहां पहुंच रहे हैं। पर्यटकों का दावा है कि मौसम की पहली बर्फबारी देखने का अलग ही अनुभव है।

माता वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं पर्यटक

पर्यटक दावा कर रहे हैं कि जम्मू पहुंचकर न केवल वह इस समय माता वैष्णो देवी के दर्शन कर रहे हैं, बल्कि पटनीटॉप उनके लिए एक वरदान साबित हुई है। हिमाचल प्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थलों कुफरी और मनाली में सोमवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई। पिछले 24 घंटों में शिमला जिले के कुफरी में सात सेंटीमीटर बर्फबारी हुई, जबकि कुल्लू जिले के मनाली में दो सेमी बर्फबारी हुई।

भारत पर आरोप लगाने के चक्कर में अपनी ही सरकार का मजाक उड़ा गए पाक के मंत्री

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के नेता अक्सर भारत पर मनगढ़ंत आरोप लगाते रहते हैं। इमरान खान के रेलमंत्री शेख रशीद अहमद इसमें सबसे आगे रहते हैं। वे गाहे-बगाहे भारत पर किसी न किसी चीज के आरोप मढ़ते रहते हैं। हालांकि ये बात और है कि उन्हें हर बार मुंह की खानी पड़ती है। इसके बाद भी वो सुधरते नहीं हैं। अब एक बार फिर उन्होंने आधारहीन बयानबाजी करके

अपनी ही सरकार का मजाक उड़ा दिया है। दरअसल, शेख रशीद ने आरोप लगाया है कि भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पाकिस्तान को अस्थिर कर रही है। रेल मंत्री यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने कहा कि रॉ पाकिस्तानी नेताओं पर जानलेवा हमले करवा सकती है, इसलिए नेता अपनी सुरक्षा का ध्यान खुद रखें।

मुझ पर तीन बार हुआ हमला: इमरान खान के मंत्री ने दावा किया है कि उन पर तीन बार हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की खुफिया एजेंसी ने पाकिस्तान को अंदर से अस्थिर करने के लिए अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी नेताओं को अपनी हिफाजत पर ध्यान देना चाहिए। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पाकिस्तान की पत्रकार नायला इनायत ने रशीद का यह वीडियो शेयर किया है।

अल्लाह ही आपका मालिक है: रशीद ने आरोपों के अपने 'खेल' को आगे बढ़ाते हुए कहा कि रॉ पाकिस्तान के बड़े नेताओं को निशाना बना सकती है। हालांकि, आरोप लगाने की सनक में पाकिस्तान के रेलमंत्री ने एक तरह से अपनी ही सरकार का मजाक उड़ा दिया। कोरोना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गरीब का इस मुल्क में सिर्फ अल्लाह है। यानी कि पाकिस्तान की गरीब आवाम को सरकार से कोई उम्मीद नहीं रखनी चाहिए।

56 की उम्र में डिग्रीधारी बने महाराष्ट्र के मंत्री

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने 56 वर्ष की उम्र में डिग्रीधारी बनने की उपलब्धि हासिल की है। उन्हें कला विषय में 77.25 प्रतिशत अंक हासिल करने पर डिग्री मिली है। शिंदे के बेटे और लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे ने मंगलवार को इस बारे में एक ट्वीट के जरिए जानकारी दी है।

श्रीकांत ने बताया कि ठाणे जिले के प्रभारी मंत्री और शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे ने अपने परिवार को सहारा देने के लिए युवावस्था में ही पढ़ाई छोड़ दी थी। अब शिंदे ने यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय से डिग्री हासिल की है। कल्याण के सांसद श्रीकांत ने मराठी में ट्वीट किया, ''राज्य के शहरी विकास मंत्री और ठाणे जिले के प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे साहेब ने यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय से 77.25 प्रतिशत अंक अर्जित कर कला विषय में डिग्री हासिल की है। श्रीकांत ने कहा कि उनके पिता के परिणाम से पता चलता है कि अगर लगातार मेहनत करें तो कोई भी अपने जीवन में सफल हो सकता है।

अतीक के फरार साढ़ू इमरान के मकान पर चला बुलडोजर

प्रयागराज, (एजेंसी)। माफियाओं के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन जारी है। मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के साढ़ू इमरान जई के मकान को ध्वस्त कर दिया। करीब ढाई हजार वर्ग गज जमीन पर खड़े इस मकान को गिराने के लिए सुबह-सुबह पुलिस और प्रशासनिक अमला पहुंच गया था। पुलिस के मुताबिक इमरान जई हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ कई मुकदमे चल रहे हैं। वह फरार चल रहा है।

गौरतलब है कि इसके पहले भी प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) अतीक और उसके कई गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है। अतीक के साढ़ू इमरान जई का मकान प्रयागराज के खुल्दाबाद के चकिया इलाके में बना था। इसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। इसके पहले भी अतीक और गुर्गों की करोड़ों की संपत्तियां ध्वस्त की चुकी हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि माफियाओं के खिलाफ प्रदेश सरकार की नीति के तहत यह कार्रवाई की गई है। इमरान जई ने बगैर नक्शा पास कराए यह मकान बनाया था। आरोप है कि इमरान जई बाहुबली अतीक अहमद के सभी काले धंधे और जमीन के कारोबार को संभालता है। वह उसके गैंग का सक्रिय सदस्य है। वह हिस्ट्रीशीटर है। उसके ऊपर दर्ज मामलों में कई गंभीर आपराधिक किस्म के हैं। फिलहाल वह फरार चल रहा है।

बद्रीनाथ धाम में सीएम योगी ने किया पर्यटक आवास गृह का शिलान्यास

लखनऊ, (एजेंसी)। धर्मनगरी अयोध्या में दिव्य दीपोत्सव का विश्व कीर्तिमान रचने के बाद देवभूमि उत्तराखंड पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर लोकमंगल की कामना की और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्यटक आवास गृह का शिलान्यास किया।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से उत्तराखंड के चमोली जिले अंतर्गत तहसील जोशीमठ में स्थित श्री बद्रीनाथ धाम में एक एकड़ भूमि पर प्रस्तावित यह पर्यटक आवास गृह 40 कमरों का होगा। करीब 11 करोड़ की लागत वाले इस पर्यटक आवास गृह में रेस्टोरेंट, कॉन्फ्रेंस हाल, डॉरमेट्री और पार्किंग की सुविधा होगी। इस भवन का निर्माण गढ़वाल शैली के आर्किटेक्चर और ग्रीन बिल्डिंग के रूप में कराया जा रहा है। भगवान बद्रीनाथ के दर्शन-पूजन के बाद सीएम योगी ने कहा कि पवित्र धाम भारत की सनातन आस्था का केंद्र है। देश-विदेश से लाखों भक्त यहां आते हैं, उनकी सुविधा के लिए यूपी सरकार पर्यटक आवास गृह का निर्माण करवा रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के सहयोग से यूपी और उत्तराखंड के बीच वर्षों से लंबित विवादों का समाधान हो गया है। इस मौके पर उत्तराखंड के सीएम रावत, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और धर्मार्थ कार्य विभाग के मंत्री नीलकंठ तिवारी भी उपस्थित थे।

तपोस्थली गुफा के जीर्णोद्धार के लिए उत्तराखंड सरकार से अपील

बद्रीनाथ धाम में आवास गृह के शिलान्यास कार्यक्रम में श्री योगी ने नाथ पंथ के सिद्ध योगी सुन्दरनाथ की तपोस्थली गुफा के जीर्णोद्धार के लिए उत्तराखंड सरकार से अपील की। उन्होंने कहा '' देवभूमि उत्तराखंड अनेक सिद्ध संतों की तपोभूमि रही है। योगीराज सुन्दरनाथ जी ऐसे ही सिद्ध योगी रहे हैं। बद्रीनाथ जी के मन्दिर में जगद्गुरु शंकराचार्य जी की प्रतिमा के बगल उनका बड़ा सा चित्र भी लगा है। समीप ही उनकी साधना स्थली गुफा भी है, उत्तराखंड सरकार को इसका जीर्णोद्धार कराना चाहिए।''लंबे अंतराल के बाद उत्तराखंड यात्रा पर गए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केदारनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया था, साथ ही, उत्तराखंड राज्य के अपने समकक्ष त्रिवेंद्र सिंह रावत के साथ उन्होंने केदारनाथ धाम पुनर्निर्माण कार्यों का अवलोकन भी किया था।

निर्वाचन — भारत के विरोध के बाद भी पाकिस्तान ने छल-प्रपंच से कराया चुनाव

गिलगित-बल्टिस्तान में इमरान की पार्टी ने जीतीं 10 सीटें

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। भारत के विरोध के बाद भी पाकिस्तान बाज नहीं आया और उसने गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव कराया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने गिलगित-बाल्टिस्तान में विधानसभा चुनाव में 23 में से 10 सीटों पर जीत हासिल कर ली है और सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बन गई है। हालांकि, विपक्षी दलों ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव आयोजित करने पर पाकिस्तान की निंदा करते हुए कहा कि सैन्य कब्जे वाले इस क्षेत्र की स्थिति को बदलने के लिए उठाए गए कदम का कोई कानूनी आधार नहीं है।

आतंकवादी खतरे के बीच कड़ी सुरक्षा में रविवार को विधानसभा की 23 सीटों के लिए मतदान हुआ था। गिलगित-बाल्टिस्तान में तीसरी बार विधानसभा के लिए चुनाव कराए गए हैं। एक सीट पर एक प्रत्याशी की मौत के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया। विभिन्न मीडिया समूहों की ओर से जारी अनधिकृत परिणामों में यह बताया गया है कि पीटीआई ने कम से कम 10 सीटों पर जीत हासिल की है, लेकिन अब भी सरकार के गठन के लिए इमरान खान की पार्टी बहुमत से पीछे है। हालांकि वह सरकार बनाने की स्थिति में है, क्योंकि यहां से 6-7 निर्दलीय उम्मीदवारों को जीत हासिल हुई है।

बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी को तीन सीट

डॉन की खबर के मुताबिक, पीटीआई को 10 सीटों पर जीत हासिल हुई है, जबकि सात सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों को जीत मिली है। वहीं बिलावल भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को तीन, नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को दो सीटों पर और मजलिस वहदतुल मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) को एक सीट पर जीत हासिल हुई है।

विपक्षी दलों ने लगाया धांधली का आरोप

आधिकारिक नतीजे अभी घोषित नहीं हुए हैं। दोनों विपक्षी दलों पीपीपी तथा पीएमएल-एन ने सत्तारूढ़ पार्टी पीटीआई द्वारा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने अनाधिकारिक परिणामों पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव में धांधली की गई। बिलावल ने कथित धांधली के खिलाफ गिलगित के डीसी चौक में विरोध प्रदर्शन रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे उम्मीदवारों को पीपीपी छोड़ने और पीटीआई में शामिल होने को कहा गया।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने दी थी चुनाव कराने की अनुमति

इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने इस्लामाबाद को 2018 के प्रशासनिक आदेश में संशोधन करने और क्षेत्र में आम चुनाव आयोजित करने की अनुमति दी थी। साल 2018 के आदेश के अनुसार गिलगित-बल्तिस्तान में प्रशासनिक बदलाव मुहैया कराया गया था और इसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को यहां के विषयों में नियम बनाने को अधिकृत किया गया। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए नई दिल्ली में पाकिस्तान के एक वरिष्ठ राजनयिक को आपत्तिपत्र जारी किया था।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिबुल हसन को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश पुलिस ने मंगलवार को क्रिकेटर शाकिबुल हसन को कथित रूप से जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। शाकिबुल को कोलकाता में काली पूजा के

पंडाल के उद्घाटन करने के लिए जान से मारने की धमकी मिल रही थी, जबकि इस क्रिकेटर ने माफी मांगते हुए कहा था कि वह सिर्फ थोड़े समय के लिए कार्यक्रम से जुड़े थे और उन्होंने पंडाल का उद्घाटन नहीं किया था।

पुलिस अपराध विरोधी रैपिड एक्शन बटालियन ने मिलकर 28 वर्षीय मोहसिन तालुकदार को गिरफ्तार किया। शाकिबुल की कार्यक्रम में ली गई फोटो वायरल होने के बाद तालुकदार ने रविवार रात फेसबुक पर लाइव होकर धमकी दी और कहा कि इस क्रिकेटर के पूजा के कार्यक्रम में जाने से उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।हालांकि अगली सुबह तालुकदार ने धमकी वापस ले ली और एक लाइव वीडियो में माफी मांगी। उसकी पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने के बाद उसे सूनामगंज जिले से गिरफ्तार किया गया।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.